

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 25 मार्च, 2023 दिन शनिवार को प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में **“भारतीय इतिहास, दृष्टि : विविध आयाम”** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक प्रो० हर्ष कुमार एवं संयोजक डॉ० रमाकान्त ने बताया कि संगोष्ठी में प्रमुख रूप से प्रो० एन० आर० फारूकी (पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय), प्रो० हेरम्ब चतुर्वेदी (पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय), प्रो० प्रवेश कुमार श्रीवास्तव (पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) और प्रो० डी० के० ओझा (प्राचीन भारतीय इतिहास, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) आदि विद्वानों के वक्तव्य होंगे तथा विभिन्न प्रांतों में स्थित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्वान प्रतिभाग करेंगे। संगोष्ठी का उदघाटन **प्रातः 10:00 बजे** प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में होगा।

A National Seminar organized by Department of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Prayagraj

Department of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Prayagraj is organizing a national seminar on **“Indian Historical View: Multiple Dimensions”** on 25th March, 2023, Saturday. The patron and convener of the seminar are **Prof. Harsh Kumar** and **Dr. Ramakant** respectively. Special lectures will be delivered by **Prof. N.R. Farooqi** (Former Vice-Chancellor, University of Allahabad), **Prof. Heramb Chaturvedi** (Former Dean, Faculty of Arts, University of Allahabad), **Prof. Pravesh K. Srivastava** (Former Head, Dept. of A.I.H.C. & Archaeology, Banaras Hindu University), **Prof. D.K. Ojha** (Dept. of A.I.H.C. & Archaeology, Banaras Hindu University). Scholars from different colleges, universities and institutions will participate and present their research papers in the seminar. The Inaugural ceremony will be held at **10:00 am** in department of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Prayagraj.